## अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 21.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

## भिक्षु दृष्टांत–30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 12

(क) सम्वत् 1854 में स्वामी भीखण ने किन दो साध्वियों को संघ से पृथक कर दिया?

(ख) बाईस टोला से अलग होने के बाद भारमल जी स्वामी कुछ वर्षों तक चातुर्मास में किसका व्याख्यान तीन-तीन बार बांचते थे?

(ग) 'लेखनी' कैसे बनती है?

(घ) 'सूई टूट जाने पर साधु को तेले का प्रायश्चित्त आता है' इस कथन का स्वामी भीखण जी ने क्या प्रत्युत्तर दिया?

(ङ) अचित्त वस्तु को जो खरीदवा कर लेते हैं उस साधु को किसका प्रायश्चित्त आता है?

(च) गुरु का मूल्य कितना होता है, इस पर स्वामी भीखण जी ने किसका दृष्टांत दिया?

(छ) आचार्य जयमल जी ने भीखण जी स्वामी को निह्नव क्यों कहा?

(ज) टोडरमल जी ने पार्श्वनाथ की कितनी साध्वियों को एकावतारी बताया?

(झ) हेमजी स्वामी ने डूंगरसी से चर्चा क्यों नहीं की?

(ञ) नव पदार्थ में सावद्य और निरवद्य की चर्चा में किस सूत्र के कौन से पाठ को टीकम जी ने आधार बताया?

(ट) 'लोढ़ों के उपाश्रय में हेमजी टीकम जी चर्चा कर रहे हैं इसलिए आप पधारें' इस पर स्वामी भीखण जी ने क्या कहा?

(ठ) 'तुम्हारे गुरु का शिर मूंडा, उनके सम्प्रदाय की।' हेम जी स्वामी ने इसके प्रत्युत्तर में क्या कहा?

(ड) भाषा तथा वायुकाय के पुद्गल कितने स्पर्शी हैं?

(ढ) उत्तराध्ययन सूत्र के अनुसार धर्म लेश्या कितनी है और कर्म लेश्या कितनी है?

प्र. 2 किन्हीं तीन घटना प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें– 18

(क) एक-एक कर छिन्न-भिन्न कर दें।

(ख) ऐसी चर्चा करते तो कैसे लगते?

(ग) आप 'जी' क्यों कहते हो?

(घ) दान मुख्यतः कायिक प्रयोग है

(ङ) हम ऐसा नहीं जानते

(च) बेचारे का जन्म बिगड़ जाता है

प्र. 3 किन्हीं नौ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) ग्रन्थ में समागत मुख्य तीन विषय कौन से हैं और उनसे सम्बन्धित कितने अधिकार हैं?

(ख) मोक्ष की पन्द्रह अवस्थाओं में अन्य धर्मावलम्बियों की वेषभूषा की कौन सी अवस्था है?

(ग) भगवान महावीर ने धर्म की क्या व्याख्या की?

(घ) 'काही दान' ने क्या तात्पर्य है?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने सुपात्र और कुपात्र की क्या व्याख्या की?

(च) श्रावक का धर्म पक्ष क्या है?

(छ) जैन तत्त्व मीमांसा के अनुसार तीन करण कौन से हैं?

(ज) तिंदुक यक्ष ने किस मुनि पर क्या अनुकम्पा की?

(झ) कौन सी लब्धि का प्रयोग साधु के लिए निषेध है?

(ञ) यौगलिक काल में 'सेवा' शब्द की उपयोगिता क्यों नहीं थी?

(ट) चित्त मुनि ने ब्रह्मदत्त से पुण्य के लिए क्या कहा?

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए– 5

(क) आनन्द श्रावक ने प्रतिज्ञा ग्रहण में कितने व कौन से आगार रखे थे?

(ख) भिक्षु स्वामी द्वारा दिये गये तीन दृष्टांतों का आनुषंगिक फल बतायें।

(ग) दया के सम्बन्ध में चार महत्त्वपूर्ण बातें कौन सी है?

(घ) पुण्य बंधन का क्या मतलब होता है?

प्र. 5 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) अल्प पाप बहुत निर्जरा पर टिप्पणी लिखें।

(ख) जैन साधना में आज्ञा शब्द के महत्त्व को स्पष्ट करें।

(ग) कौन से हिंसाजन्य कार्यों को भी निर्दोष मानकर करणीय कहना पड़ता है?

प्र. 6 दान के स्वरूप का विवेचन करते हुए बताएं कि आचार्य भिक्षु क्या दान के उत्थापक थे? 15

**अथवा**

'निर्जरा धर्म के माध्यम से ही संवर धर्म की योग्यता आ सकती है।' इस कथन का विवेचन करें।

## भिक्षु गीता–20

प्र. 7 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 3

(क) अनुशासन का स्त्रोत क्या है?

(ख) अनुशासन हीनता का क्या परिणाम है?

(ग) आचार्य के लिए कौन सी त्रिपदी सम्मान्य है?

(घ) जिस गण में मूर्च्छा हीन होती है वहां क्या बढ़ता है?

(ङ) मुनि हेमराज जी ने किसका अभ्यास किया?

प्र. 8 अग्रगामी की अर्हता, सहगामी के गुण तथा व्यवस्था के आधारभूत तत्त्वों का विवेचन करें। 5

**अथवा**

राग-द्वेष का विलय और कषाय का उपशय पर प्रकाश डालें।

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) व्यक्तिस्वातन्त्र्यमेवास्ति विकासस्य परं पदम्।
तन्निरोधोऽवरोधोऽस्ति प्रगतेरिति प्रत्ययः।।

(ख) विचारो यत्र साकारः दर्शनं च निदर्शनम्।
आकर्षति यदाचारः विचारं दर्शनं प्रति।।

(ग) दोषं दृष्ट्वा न तत्कालं गुरवे विनिवेद येत्।
व्यतीते बहुले काले निवेदयति स दोषभाक्।।

(घ) सूत्रतश्चार्थतो ग्राह्याः भावनाः पञ्चविंशतिः।
अभ्यासः सप्तसप्ताहं तासां निर्देशितो भवेत्।।

## भिक्षु वाणी (पूर्व कंठस्थ)–15

प्र. 10 काई पांच पद्य लिखें– 15

(क) गुर भगता.....ठांम।।

(ख) कांदा ने.....लागे पास।।

(ग) मित कुगुर.....अदेख।।

(घ) जीवन-सूत्र

(ङ) रक्षक-भक्षक

(च) व्रत

(छ) जीव अजीव.....कर्म।।